A-0561

Total Pages : 04 **Roll No. ----------**

MPAM-601

संगीतशास्त्र–I

प्रदर्शन कला (संगीत) में स्नातकोत्तर (MPAM)

परीक्षा 2025 (जून)

Time: 2:00 hrs Max. Marks: 70

Note: This paper is of Seventy (70) marks divided into two (02) Sections A and B. Attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein. Candidates should limit their answers to the questions on the given answer sheet. No additional (B) answer sheet will be issued.

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

P.T.O.

Section-A/खण्ड–'क'

(Long-Answer-Type Questions)/ (दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

Note: Section 'A' contains Five (05) long-answer-type questions of Nineteen (19) marks each. Learners are required to answer any two (02) questions only.

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। [2x19=38]

Q.1. Explaining the origin of thumri singing style, write an essay about its gharanas.

ठुमरी गायन शैली की उत्पत्ति को समझाते हुए इसके घरानों के बारे में एक निबंध लिखिए?

Q.2. Explaining in the form of Dhrupad singing style, explain in detail about its gharanas.

ध्रुपद गायन शैली के स्वरूप में समझाते हुए उसके घरानों के सम्बन्ध में विस्तारपूर्वक समझाइये।

Q.3. Detailed description of Pt. Srinivasa's principle of setting the tone on the basis of the length of the string of Veena?

वीणा के तार की लम्बाई के आधार पर पं0 श्रीनिवास के स्वर स्थापना के सिद्धांत का सविस्तार वर्णन कीजिए?

Q.4. Explaining the importance of alap singing in raga singing, describe its types.
राग गायन में आलाप गायन के महत्व को समझाते हुए उसके प्रकारों का वर्णन कीजिए।

Q.5. How many types of Taan are there? Describe in detail.
तान के कितने प्रकार होते हैं? विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

Section-B/खण्ड–'ख'

(Short-Answer-Type Questions)/ (लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

Note: Section 'B' contains Eight (08) short-answer-type questions of Eight (08) marks each. Learners are required to answer any Four (04) questions only.

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। [4x8=32]

Q.1. What do you understand by the movement number of voices? Describe.
स्वरों की आंदोलन संख्या से आप क्या समझते हैं? बताइए।

Q.2. What is the present form of Saptak in Indian music? Mention.

P.T.O.

भारतीय संगीत में वर्तमान में सप्तक का क्या स्वरूप है? उल्लेख कीजिए।

Q.3. How is it necessary to use taans in raga singing?
राग गायन में तानों का प्रयोग किस प्रकार होना आवश्यक है?

Q.4. Explain the khayal singing style.
ख्याल गायन शैली को समझाइये।

Q.5. Aalap is called the basic pillar of a raga, explain.
आलाप को राग का आधार स्तम्भ कहा जाता है, व्याख्या कीजिए?

Q.6. Briefly tell the history of Dhrupad singing?
ध्रुपद गायन का इतिहास संक्षिप्त में बताइये?

Q.7. Briefly explain Tana and Alap.
अलाप और तान को संक्षेप में बताइये।

Q.8. How did the Swara Saptak develop? Briefly explain.
स्वर सप्तक का विकास किस प्रकार हुआ? संक्षेप में बताइये।

****